केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15			कुल प्राप्तांक शब्दों में		कुल प्राप्तांक अंकों में
16					

Laser/Inkjet/Copier Label A4ST-16 99.1x33.9mmx16

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे →

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्राः नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
LALEETA SURYAWANSHI E/77/25/1126	श्रीमति अर्पणा E/77/25/1124

पृष्ठ 2 के अंक कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 01 का उत्तर

1
उत्तर - B ।

2
उत्तर - एफ. वाई. एम ।

3
उत्तर - P ।

4
उत्तर - 46 % ।

5
उत्तर - फैलेरिस माइनर ।

6
उत्तर - गन्ने की फसल में ।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 02 का उत्तर

1\. उत्तर - स्पॉन ।

2\. उत्तर - क्लोरोफाइटम बोरिविलियानम ।

3\. उत्तर - मशरूम ।

4\. उत्तर - लेमन घास ।

5\. उत्तर - यूफोरबियेसी ।

6\. उत्तर - मटर ।

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 4 के अंक = कुल अंक

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 03 का उत्तर

1
उत्तर - सत्य ।

2
उत्तर - असत्य ।

3
उत्तर - सत्य ।

4
उत्तर - सत्य ।

5
उत्तर - असत्य ।

6
उत्तर - सत्य ।

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 5 के अंक = कुल अंक

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 04 का उत्तर

(i) अंगूर – ब्यूटी बेदाना

(ii) पपीता – पपेन

(iii) आम – C:N

(iv) यूफोरबियेसी – आँवला

(v) अमरूद – मृगबहार

BSE

6

योग पृ

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 05 का उत्तर

1
उत्तर - नींबू के सिट्रस कैंकर रोग का रोगजनक जैन्थोमोनस साइट्री नामक जीवाणु है।

2
उत्तर - गामा बी. एच. सी. का पूरा नाम गामा बेन्जीन हेक्सा क्लोरीन है। इसे लिण्डेन भी कहते हैं।

3
उत्तर - 2,4-D का पूरा नाम - ~~इस~~ 2,4 डाइ-क्लोरो फिनोक्सी ऐसिटिक एसिड हैं।

4
उत्तर - अरहर का बंध्यता रोग कवक के इस कारण होता है।

5
उत्तर - गन्ने का उत्पत्ति स्थान भारत है।

7

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 06 का उत्तर "अथवा"

खरपतवारों के कोई दो लाभ निम्नलिखित हैं-

(i) दवाई बनाने में- खरपतवारों का प्रयोग दवाई बनाने में किया जाता है जैसे- सत्यानाशी का प्रयोग चर्म रोग की दवा बनाने में किया जाता है।

(ii) सब्जी के रूप में- खरपतवारों का प्रयोग सब्जी के रूप में भी किया

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 06 का उत्तर

भू-सर्वेक्षण के दो उद्देश्य निम्नलिखित है-

(i) भू-सर्वेक्षण का उद्देश्य खेत की सीमा निर्धारण करना है।

(ii) भू-सर्वेक्षण का उद्देश्य किसानों के बीच खेत सीमा को लेकर हुये विवादों को सुलझाना है।

B S E

प्रश्न क्रमांक 07 का उत्तर "अथवा"

खरपतवारों के कोई दो लाभ निम्नलिखित है-

(i) मृदा कटाव रोकते है-
(ii) खरपतवारो से दवाई बनायी जाती है-

(i) मृदा कटाव रोकना- खरपतवार अपनी जड़ो से मृदा को पकड़े रहते है जिससे मृदा का कटाव कम होता है।

BOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

(ii) दवाई बनाने में - खरपतवारों का प्रयोग दवाई बनाने में किया जाता है जैसे - सत्यानाशी से चर्म रोग की दवाई बनायी जाती है।

प्रश्न क्रमांक 08 का उत्तर

उत्तम हरियाली की कोई दो विशेषताएँ निम्नलिखित है-

(i) हरियाली चुभने वाली नहीं होनी चाहिए।

(ii) उत्तम हरियाली में कीट एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता अधिक होनी चाहिए।

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 09 का उत्तर

आम में एकान्तर फलन के दो कारण निम्नलिखित है-

(i) C:N अनुपात - आम में C:N अनुपात 10:1 पाया जाता है। जब आम में नाइट्रोजन की अधिकता हो जाती है तो आम में कार्बोहाइड्रेट एवं नाइट्रोजन का अनुपात बिगड़ जाता है एवं फलत कम हो जाती है।

(ii) लिंग-अनुपात का कम होना - आम के पौधे में नर एवं मादा पुष्पों के सम्बन्ध को लिंगानुपात कहते हैं। आम में लिंगानुपात कम हो जाने के कारण फलत कम हो जाती है।

B
S
F

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 10 का उत्तर "अथवा"

दीर्घकालीन (स्थायी) फल एवं सब्जी परिरक्षण की दो विधियों के नाम निम्नलिखित हैं-

(i) नमक द्वारा फल एवं सब्जी परिरक्षण ।
(ii) शक्कर के घोल द्वारा (चीनी द्वारा) फल एवं सब्जी परिरक्षण ।

प्रश्न क्रमांक 11 का उत्तर "अथवा"

फर्मिंग- फल एवं सब्जियों में कड़ापन लाने के लिये उन्हे 2-3 घण्टे के लिये 2% चूने के घोल में डाला जाता है जिससे उनमें कठोरता आ जाती है, इस क्रिया को ही फर्मिंग कहते हैं।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 12 का उत्तर

सहकारिता के दो आधारभूत सिद्धांतो के नाम निम्नलिखित है-

(i) समानता - सहकारिता में प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार प्राप्त रहता है।

~~(ii) मित~~

(ii) ~~साझा~~ साझा कल्याण की भावना - सहकारिता में सभी लोग सबके कल्याण के लिये मिलजुलकर कार्य करते हैं।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 15 का उत्तर

अंगूर, केला एवं पपीता के लिए वानस्पतिक नाम एवं कुल निम्नलिखित है-

(i) अंगूर- वानस्पतिक नाम- अंगूर का वानस्पतिक नाम विटिस विनिफेरा है।
कुल- अंगूर का कुल वाइटेसी है।

(ii) केला- केला का वानस्पतिक नाम मूसा पेराडिसिएका है।
केला का कुल म्यूजेली है।

(iii) पपीता- पपीता का वानस्पतिक नाम कैरिका पपाया है।
पपीता का कुल कैरिकेसी है।

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 16 का उत्तर

खाद एवं उर्वरक में तीन अन्तर निम्नलिखित हैं-

	खाद	उर्वरक
(i)	खाद खेत में तैयार की जाती है।	उर्वरक कारखानों में तैयार किये जाते हैं।
(ii)	सभी खाद कार्बनिक पदार्थ हैं।	यूरिया को छोड़कर सभी उर्वरक अकार्बनिक पदार्थ हैं।
(iii)	खाद का प्रयोग बेसल ड्रेसिंग के रूप में किया जाता है।	उर्वरक का प्रयोग टॉप ड्रेसिंग के रूप में किया जाता है।

BSE

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 17 का उत्तर

धान एवं सोयाबीन फसल की दो-दो किस्म के नाम निम्नलिखित है-

धान की उन्नशील किस्में-

(i) जया।
(ii) IR - 8।
(iii) IR - 24।
(iv) जलमग्न।

सोयाबीन की उन्नतशील किस्में -

(i) अंकुर।
(ii) शिलाजीत।
(iii) दुर्गा।

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 18 का उत्तर

लैंगिक प्रसारण एवं वानस्पतिक प्रसारण विधियों में चार अन्तर निम्नलिखित है-

	लैंगिक प्रसारण	अलैंगिक प्रसारण (वानस्पतिक)
(i)	लैंगिक प्रसारण में परागण एवं निषेचन की क्रियाएँ होती हैं।	वानस्पतिक प्रसारण में परागण एवं निषेचन की क्रिया नहीं होती है।
(ii)	लैंगिक प्रसारण से तैयार पौधों में फलत देर से आती हैं।	वानस्पतिक प्रसारण से तैयार पौधों में फलत शीघ्र ही आ जाती है।
(iii)	लैंगिक प्रसारण के द्वारा नई जातियों का विकास किया जा सकता है।	वानस्पतिक प्रसारण में नई जातियों का विकास नहीं किया जा सकता है।
(iv)	लैंगिक प्रसारण में तकनीकी ज्ञान की आवश्यकता नहीं होती हैं।	इसमें तकनीकी ज्ञान की आवश्यकता होती हैं।

BSE

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 17 के अंक = कुल अंक

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 20 का उत्तर

सिंचाई एवं जलनिकास में निम्नलिखित अन्तर हैं-

सिंचाई	जलनिकास
(i) कृत्रिम रूप से ~~च~~ खेतों में जल देना सिंचाई कहलाता है।	खेत से ~~अनावश्~~ अतिरिक्त जल को कृत्रिम रूप से बाहर निकालना जल-निकास कहलाता है।
(ii) सिंचाई का पानी पीने योग्य होता है।	(ii) जलनिकास का पानी पीने योग्य नहीं होता है।
(iii) सिंचाई की नालियों की आवश्यकता वर्ष भर रहती है।	जलनिकास की नालियों की आवश्यकता मुख्यतः वर्षा ऋतु में होती है।
(iv) सिंचाई की नालियाँ धरातल से ऊपर बनायी जाती हैं।	जलनिकास की नालियाँ धरातल से नीचे बनायी जाती हैं।

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 19 का उत्तर

अच्छी जैली की चार विशेषताएँ निम्नलिखित है-

(i) जैली पारदर्शक होनी चाहिए।

(ii) जैली छूने पर अँगुली मे चिपकनी नहीं चाहिए।

(iii) जैली जिस बर्तन में भरी गई हो उसी का आकार ग्रहण कर लेनी चाहिए।

(iv)

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 13 का उत्तर "अथवा"

नाइट्रोजन फॉस्फोरस एवं पोटासयुक्त किन्ही तीन उर्वरको के नाम (प्रत्येक का एक प्रकार) एवं उनमें तत्वों की प्रतिशत मात्रा निम्नलिखित है-

(i) नाइट्रोजन युक्त उर्वरक-

यूरिया- यूरिया में 46% नाइट्रोजन पायी जाती है।

(ii) फॉस्फोरस युक्त उर्वरक

~~सुप~~ सुपर फॉस्फेट- सुपर फॉस्फेट तीन प्रकार की होती है सिंगल सुपर फास्फेट में 16 प्रतिशत फॉस्फोरस, डबल सुपर फॉस्फेट मे 32 प्रतिशत एवं ट्रिपल सुपर फॉस्फेट में 48 प्रतिशत फॉस्फोरस पायी जाती हैं।

(iii) पोटाशयुक्त उर्वरक- ~~इसे म्यूरेट ऑफ पोटाश भी कहते है।~~
पोटेशियम, इसमें 60% पोटाश पायी जाती है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 13 का उत्तर "अथवा"

नाइट्रोजन, फॉस्फोरस एवं पोटासयुक्त (प्रत्येक का एक प्रकार) किन्हीं तीन उर्वरकों के नाम एवं उनमें तत्वों की प्रतिशत मात्रा निम्नलिखित है-

नाइट्रोजन युक्त उर्वरक

(i) यूरिया- इसमें 46% नाइट्रोजन की मात्रा पायी जाती है।

फॉस्फोरस युक्त उर्वरक-

(i) डाइ-अमोनियम-फॉस्फेट- इसमें दो पोषक तत्व (नाइट्रोजन एवं फॉस्फोरस) पाये जाते हैं।
ये दो प्रकार की होती है- पहले मे 18 प्रतिशत नाइट्रोजन एवं 46 प्रतिशत फॉस्फोरस पायी जाती है। दूसरे मे 21 प्रतिशत नाइट्रोजन एवं 53 प्रतिशत फॉस्फोरस की मात्रा पायी जाती है।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

पोटाश युक्त उर्वरक -

(i) पोटेशियम क्लोराइड - इसे म्यूरेट ऑफ पोटाश भी कहते हैं। इसमें 60 प्रतिशत पोटाश पायी जाती हैं।

प्रश्न क्रमांक 14 का उत्तर

चना, गन्ना एवं मटर फसल के एक-एक रोग निम्नलिखित है -

फसल		रोग
चना	-	उखटा रोग।
गन्ना	-	ग्रासी सूट।
मटर	-	पाउडरी मिल्ड्यू रोग।

चना - उखटा रोग - यह कवक जनित रोग है। इसमें पौधा सूख जाता है।

गन्ना - ग्रासी सूट - यह वायरस जनित रोग हैं। ~~जिसमें गन्ना~~

मटर - पाउडरी मिल्ड्यू - यह कवक जनित रोग हैं।

B S E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 19 का उत्तर

अच्छी जैली की कोई चार विशेषताएं निम्नलिखित है-

(i) पारदर्शक - जैली देखने में पारदर्शक होनी चाहिए।

(ii) चिपकना - जैली को छूने पर वह अँगुली मे चिपकना नहीं चाहिए।

(iii) बर्तन का आकार - जैली जिस बर्तन में रखी जाये उसका आकार ग्रहण कर लेनी चाहिए।

(iv) फल का स्वाद - जिस फल की जैली बनायी जाये, उस फल का स्वाद जैली में होना चाहिए।

(v) काँपना - जैली हिलाने पर काँपती है।

BSE